एम०एम०टी०सी० के लिए स्वर्ण उपलब्ध कराना होता है ताकि उसका स्टाक किया जा सके तथा इन एककों को बेचा जा सके । निर्यातों में प्रयुक्त स्वर्ण की मात्रा की प्रतिभूति, स्वर्ण की प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमत पर विदेशी सप्लाईकर्ता से स्वर्ण की खरीद द्वारा की जाती है ।

(ग) इस योजना का यदि अनुमोदन कर दिया जाता है तो इसे निर्यातोन्मुख आभूषण काम्पलेक्स के चालू होने पर कार्यान्वित किया जाएगा ।

Imposition of travel tax for visit to Bangladesh

2699. SHRI KAPIL VERMA:
SHRI YALLA SESI BHUSHANA RAO:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government propose to impose travel tax on Indians visiting Bangladesh; if so, what are the details thereof;

(b) whether Bangladesh Government also propose to impose a similar tax; and

(c) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI K. NATWAR SINGH): (a) and (b) This Ministry is not aware of any such proposals.

(c) Does not arise.

पाकिस्तान में रह रहे भारतीय राष्ट्रिक

2700. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार पाकिस्तान में रहने वाले भारतीय राष्ट्रिकों के जीवन तथा उनके मन्दिरों की सुरक्षा के मसले को पाकिस्तान सरकार के साथ उठाने का विचार रखती है; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री क० नटवर सिंह): (क) और (ख) सरकार यह मानती है कि पाकिस्तान में रहने वाले भारतीय राष्ट्रिकों को तथा वहां रहने वाले अल्पसंख्यक समुदायों को पूरी सुरक्षा प्रदान करना पाकिस्तान सरकार का उत्तरदायित्व है ।

वैज्ञानिकों के लिये फ्लैक्सिबल काम्पली मैंटिंग कार्यक्रम

2701. **श्री बेकल उत्साही :** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनके मंत्रालय ने वैज्ञानिकों के लिए कोई "फलैक्सिबल काम्पली-मैंटिंग" कार्यक्रम आरम्भ किया है ;

(ख) यदि नहीं, तो इसे आरम्भ करने में विलम्ब के क्या कारण हैं; और

(ग) वैज्ञानिकों तथा ग्रुप "क" में प्रशासकीय पदों पर कार्यरत अन्य अधिकारियों की संवर्ग वार संख्या कितनी है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जैड० आर० अंसारी) (क) से (ग) वन अनुसंधान संस्थ भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण और भार प्राणी सर्वेक्षण, पर्यावरण और वन मंत्र के सम्बद्ध संगठनों में "ग्रुप ए" वैज्ञानिकों के लिए "फ्लैक्सिबल का मैंटिंग स्कीम" विद्यमान है । इसके 2200–4000 ०, 3000–45 और 3700–5000 रु० के प हैं । इसमें यह व्यवस्था की गई ह कि 3700–5000 रु० के ग्रेड में, ऊपर बताए गए तीन ग्रेडों के कुल पदों के 30 प्रतिशत से अधिक पद नहीं होंगे । वैज्ञानिक विभागों में कार्य के पुनर्गठन

की स्कीम के अन्तर्गत, पर्यावरण और वन मंत्रालय सहित वैज्ञानिक विभागों के सभी वैज्ञानिक पदों के लिए 2000-3500 रुपए और इसे बढ़ाकर 5900-7300 रुपए तक करने के लिए स्कीम शुरू करने के भारत सरकार ने आदेश जारी किए हैं । पर्यावरण और वन मंत्रालय में कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, वित्त मंत्रालय तथा विधि मंत्रालय से विचार-विमर्श कर इस स्कीम को अन्तिम रूप दे दिया है ।

पर्यावरण और वन मंत्रालय में "ग्रुप ए" के पदों की संख्या संवर्ग-वार नीचे दी जा रही है :-

वर्ग	पदों की संख्या
आई० एफ० एस०	155
वैज्ञानिक	567
प्रशासनिक	57

भारत के तीर्थ स्थलों के दर्शन के लिये आये विदेशियों को सुविधाओं का प्रदान किया जाना

2702. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत दो वर्षों के दौरान विदेश के कितने लोगों ने भारत के तीर्थस्थलों के दर्शन करने तथा अन्य सुविधायें प्राप्त करने के लिए भारतीय दूतावासों/उच्च आयोगों से सम्पर्क किया, कितों को यह सुविधान प्रदान की गई तथा वे कहां-कहां जाना चाहते थे;

(ख) गत दो वर्षों के दौरान कितने भारतीय तीर्थ-यात्राओं पर विदेश गए; वे कहां-कहां गए तथा उन में से कितने व्यक्ति सरकारी कर्मचारी तथा मंत्री थे; और

(ग) भारतीयों द्वारा विदेश की ऐसी यात्राओं के संबंध में सरकार की नीति क्या है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुवर्डो फेलेरियो) : (क) विदेश स्थित भारतीय मिशनों में भारत यात्रा के लिए वीजा हेतु आवेदन करते समय विदेशी नागरिक आमतौर पर यह बताते हैं कि उनकी यात्रा का प्रयोजन पर्यटन है । वे भारत के उन तीर्थ स्थानों का नाम नहीं बताते जिनकी वे यात्रा करना चाहते हैं। अतः विदेशी यात्रियों की संख्या और उन तीर्थ स्थानों के नाम, जिनकी उन्होंने यात्रा की है, के बारे में कोई अलग से आंकड़े नहीं रखे जाते हैं ।

(ख) और (ग) जिन भारतीय राष्ट्रिकों के पास वैध पासपोर्ट और वीजा होता है वे विदेश स्थित तीर्थ स्थानों की यात्रा कर सकते हैं । जो भारतीय राष्ट्रिक, जिनमें मंत्री भी शामिल हैं, विदेश स्थित तीर्थ स्थानों की यात्रा करते हैं, उनके सम्बन्ध में अलग से कोई आंकड़े नहीं रखे जाते हैं । तथापि सरकार सऊदी अरब, चीन, और पाकिस्तान के तीर्थ स्थानों के लिए इन देशों की अपेक्षाओं के अनुसार सामूहिक तीर्थ यात्रा दल बनाने में भारतीय नागरिकों को आवश्यक सहायता देती है । वर्ष 1985 और 1986 के दौरान इन तीन देशों की यात्रा पर गये यात्रियों की संख्या और उन्होंने जन स्थानों की यात्रा की उनके नाम वरण में दिये गये हैं ।